शीश राम ओला
SIS RAM OLA

सत्यमेव जयते

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
जल संसाधन मंत्रालय
भारत सरकार
नई दिल्ली-११० ००१

MINISTER OF STATE
(INDEPENDENT CHARGE)
MINISTRY OF WATER RESOURCES
GOVERNMENT OF INDIA
NEW DELHI-110 001.

सन्देश

" जल ही जीवन है" - यह कहावत वर्तमान संदर्भ में केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अत्यन्त महत्वपूर्ण हो गई है । जल स्रोतों का विकास एवं उनका उचित उपयोग केवल कृषि क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि विद्युत उत्पादन, बाढ़ एवं सूखे की समस्याओं से निपटने, पेयजल एवं अन्य कई समस्याओं के हल के लिए प्रथम आवश्यकता बन गया है ।

जल की नियमित मात्रा, बढ़ते उपयोग एवं अनियमित वितरण के कारण जल संसाधन का इष्टतम उपयोग आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में जल का नियमित उपयोग तथा बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में जलाशयों के इष्टतम नियोजन की आवश्यकता है ताकि बाढ़ का प्रकोप न्यूनतम किया जा सके । आधुनिक युग में जलविज्ञान के क्षेत्र में जल संरक्षण एवं प्रबन्धन की अनेक समुन्नत तकनीकों का विकास हो चुका है, परन्तु आज आवश्यकता इस बात की है कि जनसाधारण इन तकनीकों के महत्व को समझ सके व अपना सके ।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान ने आम जनता तक जलविज्ञान की परिभाषा को पहुंचाने हेतु जलविज्ञान परिभाषाओं की एक द्विभाषीय पुस्तिका का निर्माण किया है, जो निःसन्देह एक प्रशंसनीय प्रयास है । राष्ट्रभाषा हिन्दी में होने के कारण न केवल आम व्यक्ति इस विज्ञान की शब्दावली से परिचित हो सकेगा बल्कि इस विज्ञान में कार्यरत अभियन्ताओं एवं कार्यकर्त्ताओं के लिए भी यह सहायक सिद्ध होगी । मैं इस प्रकाशन की सफलता की शुभकामना करता हूँ ।

29.12.94

(शीश राम ओला)